मुख्यमंत्री ने ग्रामश्री -क्राफ्ट रूट्स की प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

वोकल फॉर लोकल की नींव है हस्तशिल्प प्रदर्शनी: योगी

संबोधन

75 जिलों में यूपी के एक जिला एक उत्पाद योजना पर काम हो रहा

22 जनवरी के आयोजन की सीएम ने दी शुभकामनाएं

सीएम योगी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उत्तर प्रदेश में हुनर और क्षमता की कोई कमी नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने कई अभिनव प्रयोग किए। उन्होंने इन प्रयोगों से महिला सशक्तीकरण को जोड़ा, जो काम से वंचित थीं। उन्हें जब मौके मिला तो उन्होंने अपने हुनर का प्रदर्शन कर साबित कर दिया कि प्रदेश में क्षमता की कमी नहीं है। आज गवर्नर आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

लखनऊ, विशेष संवाददाता। हस्तशिल्प प्रदर्शनी देखने में भले ही छोटी लग रही है, लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश में वर्ष 2018 में परंपरागत उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए एक जिला एक उत्पाद का एक अभिनव कार्यक्रम शुरू किया गया। इसमें प्रदेश के सभी 75 जिलों के एक यूनिक प्रोडेक्ट का चयन कर उसकी मार्केटिंग की गई। इससे परंपरागत उद्योग को एक नई दिशा और वैश्विक पटल पर पहचान मिली।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में आयोजित ग्रामश्री एवं क्राफ्ट रूट्स की हस्तशिल्प प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कही।

आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर रहे: मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गुजरात से ग्राम स्वराज की नई प्रेरणा दी। यहां पर 'ग्रामश्री संस्था' का जन्म होना सौभाग्य की बात है। राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज को आगे बढ़ाते हुए हस्तशिल्पियों और कारीगरों को तकनीक से जोड़ नई दिशा दी है। संस्था विभिन्न राज्यों के कारीगरों की कुशलता को आपस में आदान-प्रदान कर इसे नया रूप दे रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल विजन को दर्शाती हैं। 'ग्रामश्री संस्था' की तरह अन्य संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए ताकि पूरा विश्व देश के कारीगरों के हुनर को जान सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावनाओं के अनुरुप जब उन्होंने काम शुरू किया जो देश ही नहीं विदेशों में भी ओडीओपी योजना के तहत प्रदेश के उत्पाद छा गये। प्रधानमंत्री जब भी विदेशी दौरे पर जाते हैं तो वह देश के किसी न किसी राज्य के प्रोडेक्ट को मेहमानों को भेंट स्वरूप देते हैं, जो यह दर्शाता है कि इस फील्ड में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी एक दूसरे की विद्या और परंपरा को जानने का अवसर देती है। साथ ही मार्केट की जरूरत और डिमांड के अनुसार सप्लाई चैन के साथ जोड़ने में भी मदद करती है।